जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
प्रेस विज्ञप्ति 01 जुलाई 2020

जामिया ने कोविड-19 के परिप्रेक्ष्य में सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य समानता पर वेबिनार आयोजित किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के भूगोल विभाग ने कोविड-19 जैसी फैली महामारी के परिदृश्य में ‘‘सोशल वल्नरेबिलिटी एंड हेल्थ इक्विटी-इमर्जिंग इश्यूज ऑफ एक्सेस एंड यूटिलाइजेशन‘‘ विषय पर एक वेबिनार आयोजित किया। इसके मुख्य वक्ता, सेंटर फॉर सोशल मेडिसिन एंड कम्युनिटी हेल्थ, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की प्रो संघमित्रा शील आचार्य थीं।

इसका आयोजन यूजीसी डीआरएस-1 प्रोग्राम के तहत किया गया। वेबिनार की इस श्रृंखला के तहत पहला वेबिनार 26 जून 2020 को आयोजित हुआ था।

इस कार्यक्रम में आपदा अनुसंधान विशेष केंद्र के अध्यक्ष प्रोफेसर पी के जोशी, गढ़वाल विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा , के प्रो जे. एस. रावत, जामिया के प्रो सैयद मसूद अहमद और प्रो शकील अहमद और जेएनयू सहित देश के अन्य हिस्सों के विद्वानों और छात्रों ने हिस्सा लिया। वेबिनार की शुरूआत प्रोफेसर अतीकुर रहमान, समन्वयक, यूजीसी डीआरएस -1 की तरफ से की गई परिचयात्मक टिप्पणी के साथ हुई। इसके बाद भूगोल विभाग की प्रमुख और यूजीसी डीआरएस-1 की उप समन्वयक प्रोफेसर मैरी ताहिर ने मुख्य वक्ताओं का परिचय कराया। प्रोफेसर संघमित्रा ने विभिन्न उदाहरणों और समर्थित डेटा और तथ्यों की मदद से विषय से संबंधित समस्या की पेचीदगियों को समझाते हुए एक बहुत ही ज्ञान भरा व्याख्यान दिया। उन्होंने इस तथ्य को दोहराया कि जीडीपी की बहुत ही गैर-मामूली राशि पब्लिक हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च की जाती है। कोविद के परिदृश्य में, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इस महामारी से निपट रहे फ्रंट लाइन वर्कर्स , असली कोविड योद्धा हैं क्योंकि वे इसके रोगियों के सीधे संपर्क में हैं। हम ऐसे लोगों का जितना सम्मान करें, कम है।

उन्होंने अस्पताल कर्मियों की समस्याओं के साथ ही छात्रों को उनकी परीक्षा और करियर से संबंधित चिंताओं के मुद्दों और गरीब एवं प्रवासी लोगों की वास्तविक आवश्यकताओं पर भी

अपने विचार रखे। उन्होंने महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों से संबंधित मुद्दों पर भी बात की। डा तरूण बंसल ने अपने धन्यवाद संबोधन में जामिया की कुलपति प्रोफेसर नजमा अख्तर का धन्यवाद किया कि वह इस महामारी के मौज़ूदा हालात में भी वेबिनार और सेमिनार के माध्यम से शैक्षिक प्रयासों को जारी करने के लिए शिक्षकों को प्रोत्साहित कर रही हैं। उन्होंने वेबिनार में भाग लेने वाले सभी लोगों का भी धन्यवाद किया।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक